पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय,जबलपुर में नवागत माननीय डॉ. एस.पी. तिवारी, कुलपति जी का स्वागत समारोह

जबलपुर। आज दिनांक 03 मार्च 2020 को नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर के अंतर्गत पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, जबलपुर के सभागार में भव्य स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। स्वागत समारोह में डॉ. राजेश कुमार शर्मा, अधिष्ठाता, पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, जबलपुर ने नवागत डॉ. सीता प्रसाद तिवारी, कुलपति जी, नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर का स्वागत पुष्पगुच्छ, शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह् द्वारा किया गया, तदोपरांत डॉ. सुनील नायक, अध्यक्ष स्टाफ क्लब ने श्रृध्येय डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल जी, पूर्व कुलपति, नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर का स्वागत पुष्पगुच्छ, शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह् द्वारा किया गया।

स्वागत भाषण देते हुए डॉ. सुनील नायक ने मंचासीन डॉ. सीता प्रसाद तिवारी, कुलपति जी, नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर, पूर्व कुलपति डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल जी, विश्वविद्यालय के अधिष्ठातागण, संचालकगण, प्रशासनिक अधिकारियों, महाविद्यालय के प्राध्यपकों, छात्र–छात्राओं एवं कर्मचारियों का स्वागत एवं अभिनंदन ज्ञापित किया। साथ ही महाविद्यालय में संचालित स्टाफ क्लब की गतिविधियों से सभी को अवगत कराया।

उद्बोधन की कड़ी में डॉ. राजेश शर्मा, अधिष्ठाता, पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, जबलपुर ने उद्बोधन देते हुए महाविद्यालय की शैक्षणिक, अनुसंधान, विस्तार, प्रशासकीय, खेल–कूद व सांस्कृतिक गतिविधियों एवं महाविद्यालय की उपलब्धियों की विस्तृत जानकारियों से सभी को अवगत कराया।

उद्बोधन की इसी श्रृंखला में डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल जी, पूर्व कुलपति, नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय को समर्थ नेतृत्व की आवश्यकता है, जो कि वर्तमान कुलपति जी के पास है, मुझे आशा है, कि सभी के परस्पर सहयोग एवं समन्वय से विश्वविद्यालय के हित में शैक्षणिक, अनुसंधान व विस्तार गतिविधियों से जुड़ी योजनायें मूर्त रूप लेकर विश्वविद्यालय की प्रगति की ओर उॅचाईयों को छुयेंगा। मुझे कार्यकाल के दौरान विश्वविद्यालय के प्रशासनिक कार्यों में आप सभी

का सहयोग मिला, वह अत्यंत सराहनीय है। आशा है, भविष्य में भी सभी के परस्पर सहयोग से विश्वविद्यालय प्रगति के पद पर अग्रसर होगा।

स्वागत समारोह के दौरान उद्‌बोधन की श्रंखला में माननीय नवागत डॉ. सीता प्रसाद तिवारी, कुलपति जी ने उद्‌गार के दौरान सर्वप्रथम **''माँ नर्मदा''** को नमन करते हुये कहा कि मैं यहाँ का अध्ययनरत् छात्र रहा और सर्वप्रथम 1984 में ज.ने.कृ.वि.वि. के अन्तर्गत **''अनुसंधान सहायक''** के रूप में सेवायें प्रदत्त की, इस अवसर पर आपने पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय के प्रख्यात वैज्ञानिकों/प्राध्यापकों को स्मरण करते हुये, उनकी सेवाओं एवं इस संस्थान में दिए गयें योगदान को कभी भुलाया नही जा सकता। यह संदेश उनके आदर्शों पर चलकर हमें एक उत्कृष्ट पशुचिकित्सक के रूप में हम अपनी सेवाएं विश्वविद्यालय को प्रदान करने की प्रेरणा देता है। आपने पशु उत्पादन एवं प्रबंध विभाग की उपलब्धियों एवं महत्वों पर प्रकाश डाला। इस विश्वविद्यालय के हित में बहुत कार्य अच्छे रूप से संपादित हुए है, लेकिन साथ में अभी भी विकास की अपार संभावनाएं है। कम लागत से महाविद्यालय/विश्वविद्यालय परिसर में स्वच्छ वातावरण निर्मित किया जा सकता है। आपने अपनी अभिव्यक्ति देते हुए कहा कि मेरा विश्वास है, कि मैं जो कहता हूँ उसे कार्य रूप में परिणत करने पर विश्वास रखता हू,। आपने विश्वविद्यालय में **''इंडस्ट्रीयल पार्क''** की स्थापना पर विचार प्रकट करते हुए कहा कि इससे हमारे छात्र–छात्राओं को अपनी सेवाएं प्रदान करने के अवसर मिलेंगें। जिससे वें स्वरोजगार प्राप्त करते हुए स्टार्टअप की शुरूआत कर सकते ह।

इस अवसर पर डॉ. यशपाल साहनी, श्री पी.सी. शुक्ला, डॉ. जे.के.भारद्वाज, डॉ. एस.के. जोशी, डॉ. आर.पी. नेमा, डॉ. जी.पी. लखानी, डॉ. अकलंक जैन, डॉ. जी.दास, डॉ. ए.के. गौर, डॉ. अजय राय, तथा वि.वि. के अधिकारियों, छात्र–छात्राओं व कर्मचारियों की गरिमामय उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. आदित्य मिश्रा, अधिष्ठाता छात्र कल्याण एवं आभार प्रदर्शन डॉ. अखिलेश पाण्डेय द्वारा किया गया।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी,
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर(म.प्र)